

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच

Forum for Awareness of National Security (FANS) (Regd. No. S/1723/District South/2014)

Website: fansindia.in

Email: fansnationaloffice@gmail.com

FANS की 10 वी वार्षिक आम बैठक (AGM) पर रिपोर्ट

दिनाक: 11 - 13 जुलाई, 2025

स्थान : साहिब रिजॉर्ट, बख्तावरपुर, दिल्ली आयोजक: FANS का दिल्ली चैप्टर

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच FANS (Forum for Awareness of National security) के 10वीं वार्षिक बैठक दिल्ली स्थित सही फॉर्म एंड रिसोर्ट में दिनांक 11 जुलाई से 13 जुलाई 2025 को संपन्न हुई। तीन दिवसीय इस वार्षिक सभा के विभिन्न सत्रों में राष्ट्र के समक्ष उपस्थित चुनौतियों, भारत का गत 10 वर्षों में अंतरराष्ट्रीय जगत में एक प्रभावी आवाज के रूप में उभरना FANS के पूरे देश में गत वर्ष में किए गए कार्यों का अवलोकन, संगठन के विस्तार वह भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा संठनात्मक सुदृढ़ीकरण हेतु आवश्यक नियुक्तियां आदि अनेक विषयों पर विचार व निर्णय लिए गए। तीन दिवसीय वार्षिक सभा के विस्तृत रिपोर्ट निम्न है :

FANS की 10वीं वार्षिक आमसभा के उद्घाटन सत्र पर रिपोर्ट –

दिनांक: की 11 जुलाई 2025 समय: शाम 6:00 बजे से

स्थान: साहब फार्म एंड रिजॉर्ट बख्तावरपुर दिल्ली

आयोजक राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (FANS) की दिल्ली शाखा

FANS के 10वीं वार्षिक आमसभा का उद्घाटन सत्र

दिनांक 11 जुलाई 2025

स्थान: साहब फार्म एंड रिजॉर्ट बख्तावरपुर दिल्ली

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (FANS) की 10वीं वार्षिक आमसभा (AGM) का उद्घाटन सत्र 11 जुलाई, 2025 की शाम को बड़े उत्साह और राष्ट्रवाद की प्रबल भावना के साथ शुरू हुआ। दिल्ली के बख्तावर पूर्व स्थिति शांत साहब फार्म एंड रिसोर्ट में आयोजित इस कार्यक्रम ने संगठन की यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिन्हित किया, जिसे प्रतिनिधियों, सदस्यों और देश के विभिन्न भागों से सम्मानित अतिथिगण आए।

कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 3:00 से पंजीकरण के साथ हुई, जिसके बाद शाम 5:00 बजे हाई टि का आयोजन हुआ, जिसने आने वाले दिनों के लिए एक गर्मजोशी भरा और स्वागतपूर्ण माहौल तैयार किया।

कार्यक्रम की शुरुआत शाम 6:00 बजे ज्ञान, एकता और प्रगति के प्रतीक, पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। डॉ. सीमा सिंह जी ने कार्यक्रम का सुंदर और विचारपूर्ण संचालन किया, जिन्होंने स्वागत भाषण भी दिया और उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

प्रमुख गणमान्य व्यक्ति और उनके संबोधन:

> माननीय डॉक्टर इंद्रेश कुमार जी, मार्गदर्शन, राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (FANS)

मुख्य अतिथि, डॉ. इंद्रेश कुमार जी ने एक प्रेरक और ज्ञानवर्धक मुख्य संबोधन दिया। उन्होंने संगठन को दस प्रभावशाली वर्ष पुरे करने पर बधाई दी और इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा एक सामूहिक कर्तव्य है - केवल सशस्त्र बलों की जिम्मेदारी नहीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया की सुरक्षा के सच्चे स्तंभ पर सांस्कृतिक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता में निहित है।

उन्होंने कहा, ''यह वार्षिक आमसभा FANS के स्थिरता और विकास का प्रतीक है। यह इसके भविष्य की दिशा तय करने का एक मंच भी है।''

उन्होंने भारत के युवाओं में देशभक्ति, सेवा और सद्भावना के मूल्यों को स्थापित करने के संगठन के प्रयासों की भी सरहाना की।

र सरदार जसवीर सिंह जी (कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष, FANS एवं पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग)

सरदार जसवीर सिंह जी ने सभी उपस्थित लोगों को स्वागत किया और FANS के प्रेरणादायक 10 वर्षों की यात्रा पर विचार व्यक्त किए । उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में संगठन की भूमिका का विस्तार करने की आवश्यकता पर बल दिया और सदस्यों से आग्रह किया कि वे इस बात पर विचार करें की FANS सुरक्षा नीति और जागरूकता में कैसे सार्थक योगदान दे सकता है।

उन्होंने राष्ट्रीय तैयारियों में नागरिक समाज के महत्व को उजागर करने के लिए वर्तमान वैश्विक संघर्षों - जैसे रूस - यूक्रेन युद्ध और इजरायल - ईरान तनाव का उल्लेख किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और बताया कि कैसे भारत विश्व मंच पर शक्ति से शांति की ओर अग्रसर है।

भविष्य की ओर देखते हुए उन्होंने पुष्टि की FANS भारत @2047 के विजन को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और यह वचन दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (RSJM) इस राष्ट्रीय स्वप्न को साकार करने के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करेगा। उन्होंने कहा, "भारत आज केवल एक निष्क्रिय पर्यवेक्षक नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति और संतुलन में सिक्रिय योगदानकर्ता है, और FANS को इस दृष्टिकोण के साथ जुड़ना चाहिए। जागरूकता, विचारों और कार्यवाई में योगदान देना चाहिए।"

🔪 श्री मध्रेंद्र कुमार जी (वरिष्ठ संपादक, न्यूज़ नेशन)

श्री मधुरेंद्र कुमार जी ने एक केंद्रित और प्रभावशाली संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने FANS के मूल सिद्धांतों – पारदर्शिता, सेवा और भागीदारी - पर प्रकाश डाला। उन्होंने आत्म - मूल्यांकन की आवश्यकता पर जोर दिया और युवाओं को एक सुरक्षित और एकजुट भारत के निर्माण में सिक्रिय योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने दो प्रमुख सुरक्षा चिताओं को रेखांकित किया: आंतरिक और बाह्य, विशेष रूप से रोहिंग्या घुसपैठ, बांग्लादेश से अवैध प्रवासन और पश्चिम बंगाल और बिहार की राजनीतिक स्थितियों जैसे आंतरिक सुरक्षा खतरों पर जोर देते हुए। उन्होंने जोड़ देकर कहा कि 2014 के बादय भारत मजबूत आंतरिक सतर्कता के कारण बड़े आतंकवादी हमले पर मुक्त रहा है।

उन्होंने राष्ट्रीय एकता की रक्षा और आंतरिक विखंडन को रोकने के लिए CAA और NRC जैसी नीतियों के महत्व को रेखांकित किया, यूक्रेन मैं क्षेत्रीय संकटों के साथ समानताएं बताई। यूक्रेन और इजराइल का उदाहरण देते हुए, उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रवादी भावना, देशभक्ति और एक मजबूत रक्षा मानसिकता - स्कूलों से शुरू से शुरू हो जो आंतरिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, और भारत को इसी तरह के मॉडल अपनाने चाहिए।

🕨 श्री विजय क्रांति की (विचारक लेखक एवं अध्यक्ष हिमालय एशिया स्टडी एंड इंगेजमेंट)

श्री विजय क्रांति जी ने भारत के सामरिक उत्थान और हिमालयी एवं एशियाई भू-राजनीतिक परिदृश्य में उसकी स्थिति पर एक सम्मोहक और विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जन जागरूकता और नागरिक भागीदारी राष्ट्रीय सुरक्षा की नींव हैं। उन्होंने कहा, "जागरूकता रक्षा की पहली पंक्ति है। जब नागरिकों को जानकारी होती है, तो राष्ट्र सशक्त होता है।"

उन्होंने इस बात पर विचार किया कि कैसे पिछले 10-11 वर्षों में भारत हिचकिचाहट की स्थिति से आत्मविश्वास और रणनीतिक स्पष्टता की स्थिति में पहुँच गया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से चली आ रही हीन भावना समाप्त हो गई है। आज भारत सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक रूप से अधिक दृढ़ और आत्मनिर्भर है।

उन्होंने लद्दाख और सीमावर्ती क्षेत्रों में साहसिक बुनियादी ढाँचे के विकास की प्रशंसा की, जिन्हें पहले चीन की विस्तारवादी नीतियों के डर से टाला जाता था। उन्होंने इन उपलब्धियों के लिए मोदी सरकार की सराहना की और गलवान संघर्ष के दौरान भारतीय सैनिकों की बहादुरी को रेखांकित करते हुए इसे भारत के सुरक्षा इतिहास का एक गौरवशाली क्षण बताया।

श्री विजय क्रांति ने पाकिस्तान के विरुद्ध एक रणनीतिक कदम, ऑपरेशन सिंदूर की भी प्रशंसा की और भारत की बढ़ती कूटनीतिक परिपक्वता का उल्लेख करते हुए कहा कि देश अब अपने असली मित्रों और शत्रुओं की पहचान कर चुका है। उन्होंने बाहरी दबावों से ऊपर भारत के राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने के लिए वर्तमान नेतृत्व की सराहना की।

उन्होंने कहा, "यह सरकार पहले भारत के बारे में सोचती है। अब यह दूसरों को खुश करने के बारे में नहीं है-यह अपने हितों की रक्षा और संवर्धन के बारे में है।"

संतुलित और समावेशी लहजे में, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हर मुसलमान राष्ट्र-विरोधी नहीं है, और अधिकतर लोग "भारत प्रथम" की भावना के तहत राष्ट्र के साथ खड़े हैं। उन्होंने उन लोगों की प्रशंसा की जो देश को सर्वोपिर मानते हैं और भारत की एकता और सुरक्षा में योगदान देते हैं।

उन्होंने एक सुरक्षित और संप्रभु भारत के लिए राष्ट्रवादी मानसिकता, मजबूत पड़ोसी जुड़ाव और निरंतर जागरूकता को प्रमुख उपकरण बताते हुए अपने भाषण का समापन किया।

🕨 मेजर जनरल सौरेश भट्टाचार्य जी, अध्यक्ष, दिल्ली चैप्टर (FANS) - विशेष अतिथि

एजीएम के मेजबान और दिल्ली चैप्टर के अध्यक्ष मेजर जनरल भट्टाचार्य जी ने दिल्ली में 10वीं एजीएम के आयोजन पर गर्व व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, "राष्ट्र की सुरक्षा केवल रक्षा बलों तक ही सीमित नहीं है - यह नागरिक समाज तक भी फैली हुई है, और FANS जैसे संगठन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।"

उन्होंने राष्ट्र की अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने में एक सतर्क और जागरूक नागरिक समुदाय के महत्व पर जोर दिया।

ऑ. इंद्रेश कुमार जी (मार्गदर्शक, राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच FANS) मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि डॉ. इंद्रेश कुमार जी ने एक प्रभावशाली और दूरदर्शी मुख्य भाषण दिया और राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने में FANS के दस वर्षों के प्रभावशाली कार्य की बधाई दी । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है, जो सशस्त्र बलों से आगे बढ़कर प्रत्येक नागरिक तक फैली हुई है । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक सुरक्षित राष्ट्र की असली नींव सांस्कृतिक मजबूती, वैचारिक स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता में निहित है ।

उन्होंने कहा, ''यह वार्षिक आम बैठक FANS की स्थिरता और विकास का प्रतीक है। यह इसके भविष्य की दिशा तय करने का एक मंच भी है।"

उन्होंने भारत के युवाओं में देशभक्ति, सेवा और सामाजिक सद्भाव का संचार करने के लिए FANS की प्रशंसा की और संगठन से सोशल मीडिया और जमीनी स्तर पर जुड़ाव के माध्यम से जन जागरूकता में एक मजबूत भूमिका निभाते रहने का आह्वान किया।

🗲 🥏 डॉ. कुमार ने आशा और लचीलेपन का एक शक्तिशाली संदेश दियाः

"खोया जन भी आएगा, खोयी जमीन भी आयेगी"

(एक अनुस्मारक कि जो खो गया है - चाहे जीवन हो या भूमि - पुनः प्राप्त किया जा सकता है।)

उन्होंने चीन की आक्रामक सीमा स्थित से जुड़ी गंभीर चिंताओं पर बात की और कहा कि जहाँ चीन की सीमा एक दीवार की तरह काम करती है, वहीं अतिक्रमण के बावजूद भारत का संकल्प और संप्रभुता अडिग है। उन्होंने धर्म, जाित, भाषा या जबरन धर्मातरण के आधार पर विभाजन को पुरजोर तरीके से खािरज करते हुए कहा कि ऐसे कृत्य न तो नैतिक हैं और न ही संवैधानिक। इजराइल-ईरान संघर्ष जैसे वैश्विक मुद्दों पर बोलते हुए, उन्होंने भारतीयों से भारत की प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने और किसी विदेशी विचारधारा के एजेंट की तरह काम न करने का आग्रह किया। उन्होंने हिंसा की आड़ में इस्लामी भाईचारे के दुरुपयोग के खिलाफ चेतावनी दी और पाकिस्तान में आंतरिक जातीय और धार्मिक संघर्ष पर प्रकाश डाला, जहाँ मंदिरों, मस्जिदों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों पर हमले एक कठोर वास्तविकता हैं।

"आज का भारत अतीत का भारत नहीं है। यह नया भारत है - मजबूत, जागरूक और दृढ़,"

उन्होंने घोषणा की।

उन्होंने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि भारत दुनिया के लिए एक आदर्श बन रहा है, प्रभुत्व के माध्यम से नहीं, बल्कि अपने सार्वभौमिक, समावेशी विचारों के माध्यम से ऐसे- विचार जो, उनके शब्दों में, "कभी फीके नहीं पड़ेंगे।"

धन्यवाद ज्ञापन

श्री राजीव रंजन, दिल्ली चैप्टर – FANS

FANS के दिल्ली चैप्टर का प्रतिनिधित्व करते हुए श्री राजीव रंजन जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने डॉ. इंद्रेश कुमार जी, सभी सम्मानित अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिनिधियों और स्वयंसेवकों के प्रति उनकी उपस्थिति और बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया, जिससे उद्घाटन सत्र एक यादगार सफलता बन गया।

द्वितीय दिवस - प्रथम सत्र की मुख्य विशेषताएँ (12-07-2025)

समयः सुबह 10:00 बजे दोपहर 1:30 बजे

सत्र संचालकः श्री विक्रमादित्य सिंह जी

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (RSJM) की 10वीं वार्षिक राष्ट्रीय आमसभा के दूसरे दिन की शुरुआत सुबह 10:00 बजे श्री विक्रमादित्य सिंह जी के संचालन में प्रथम सत्र के साथ हुई। यह सत्र देश भर की RSJM इकाइयों द्वारा वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समर्पित था। संगठन वर्तमान में सात प्रमुख क्षेत्रीय संरचना के माध्यम से संचालित होता है, जिसके अंतर्गत देश भर में 45 सक्रिय इकाईयां (चैप्टर्स) कार्यरत हैं।

इन सभी इकाईयों के प्रतिनिधियों ने पिछले वर्ष के अपने कार्यों और उपलिब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इन रिपोर्टों में जमीनी स्तर पर पहुँच, अभियान क्रियान्वयन, चुनौतियों और विभिन्न इकाइयों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। इस सत्र ने अंतर-इकाइयों की दृश्यता और परिचय को भी बढ़ावा दिया, आंतरिक समन्वय को मजबूत किया और भविष्य की रणनीतियों को आरएसजेएम के राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप बनाया।

दिन 2- दूसरा सत्र

समयः दोपहर 3:00 बजे प्रस्तुतिः डॉ. सीमा सिंह जी

वक्ताः मेजर जनरल सुरेश भट्टाचार्य जी (अध्यक्ष, दिल्ली चैप्टर- FANS)

तीसरे सत्र में, दिल्ली चैप्टर के अध्यक्ष मेजर जनरल सुरेश भट्टाचार्य जी ने "क्षेत्रीय स्थिरता में भारत की उभरती नेतृत्वकारी भूमिका" विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि भारत अब न केवल एशिया में, बल्कि विश्व स्तर पर भी एक अग्रणी के रूप में उभर रहा है - दुनिया को स्थिरता, शांति और संतुलन की ओर ले जा रहा है। यह उभरती हुई भूमिका केवल सैन्य या आर्थिक शक्ति तक ही सीमित नहीं है, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक नेतृत्व को भी दर्शाती है।

अपने गहन विश्लेषण में, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे भारत की नीति, नीयत और नेतृत्व ने क्षेत्रीय अस्थिरता के दौर में भी उसे एक विश्वसनीय और जिम्मेदार छवि प्रदान की है। उन्होंने इसकी तुलना पाकिस्तान से की, जो उनके अनुसार विफलता और उग्रवाद का प्रतीक बन गया है, जबिक भारत आज स्थिर लोकतंत्र, संयमित नेतृत्व और वैश्विक कूटनीति का प्रतिनिधित्व करता है। मेजर जनरल भट्टाचार्य ने दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में भारत के गहरे सांस्कृतिक संबंधों पर भी जोर दिया। उन्होंने थाईलैंड (पूर्व में श्याम), कंबोडिया और इंडोनेशिया जैसे देशों के साथ प्राचीन संबंधों का उल्लेख किया और बताया कि कैसे ये क्षेत्र भारत के प्रभाव को दर्शाते हैं। उन्होंने सिल्क रोड पर चर्चा की और बताया कि कैसे चीनी विद्वान ज्ञान प्राप्त करने के लिए भारत आए थे - और भारत की समृद्ध बौद्धिक परंपरा पर जोर दिया।

उन्होंने आगे कहा कि अब समय आ गया है कि भारत अपनी विदेश नीति और कूटनीतिक रणनीति पर पुनर्विचार करे और उसे नया रूप दे, और यह सुनिश्चित करे कि वह सबसे पहले अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप हो।

🗲 मेजर जनरल अनुज माथुर जी, वीएसएम, विषयः "अब और पाकिस्तान नहीं नारे से रणनीतिक नीति तक"

अपने विचारोत्तेजक दूसरे संबोधन में, मेजर जनरल अनुज माथुर जी. वीएसएम ने जोर देकर कहा कि अब समय आ गया है कि भारत "अब और पाकिस्तान नहीं" के नारे को एक स्पष्ट और कार्यान्वयन योग्य राष्ट्रीय नीति में बदले।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने बार-बार भारत की संप्रभुता, शांति और नागरिक सुरक्षा को चुनौती दी है चाहे वह कश्मीर में छद्म युद्धों के माध्यम से हो, ड्रोन हमलों के माध्यम से हो, या सीमा पार आतंकवाद और घुसपैठ के माध्यम से हो।

उन्होंने घोषणा की, "भारत को अब आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान को आतंकवाद की फैक्ट्री के रूप में पहचानना चाहिए।" उन्होंने श्रोताओं को यह भी याद दिलाया कि 1945 में भारत की रक्षा क्षमता 25 लाख थी - जो दुनिया में सबसे बड़ी थी, लेकिन औपनिवेशिक शक्तियों, विशेष रूप से ब्रिटेन ने जानबूझकर भारत को विभाजित किया ताकि उसका वैश्विक प्रभाव कमजोर हो। मेजर जनरल माथुर ने भारत की सैन्य क्षमताओं को व्यवस्थित रूप से मजबूत करने और देश के सामरिक, संरचनात्मक और मनोवैज्ञानिक आत्मविश्वास को बहाल करने करने में वर्तमान सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने राष्ट्रीय हित में निहित एक साहिसक और समझौताहीन सुरक्षा सिद्धांत की आवश्यकता पर जोर देते हुए निष्कर्ष निकाला कि "अब समय आ गया है कि भारत स्पष्टता और दृढ़ता के साथ कार्य करे - केवल नारे नहीं, बल्कि ठोस नीति।"

🗲 🥏 डॉ. रॉबिन हिसांग विषयः "चीन का जल बमः भारत के लिए एक मौन खतरा"

जल भू-राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के जाने-माने विशेषज्ञ, डॉ. रॉबिन हिसांग ने सीमा पार की नदियों, विशेषकर तिब्बत से निकलने वाली नदियों पर चीन के आक्रामक नियंत्रण के विषय पर एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उन्होंने चेतावनी दी कि चीन की बड़े पैमाने पर जल भंडारण और जल मोड़ परियोजनाएँ भारत और दक्षिण एशिया के लिए एक "मौन लेकिन विनाशकारी खतरे" के रूप में उभर रही हैं। ये गतिविधियाँ पारंपरिक सैन्य कदम नहीं हैं, बल्कि जल विज्ञान संबंधी हेरफेर के माध्यम से दबाव के एक नए रूप का प्रतिनिधित्व करती हैं।

डॉ. हिसांग ने कहा, "खतरा हथियारों से नहीं, बल्कि नदियों के हेरफेर से आ रहा है।"

डॉ. हिसांग ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह का नियंत्रण भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता और क्षेत्रीय शांति के लिए एक गंभीर खतरा है। उन्होंने इस नीति को एक रणनीतिक "जल बम" बताया।

जिससे चीन निदयों के प्रवाह को नियंत्रित कर सकता है - संभावित रूप से नीचे की ओर कृत्रिम सूखा या बाढ़ पैदा कर सकता है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के सामरिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह क्षेत्र भारत की जल सुरक्षा और राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए एक महत्वपूर्ण सीमा बन सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के लगातार विवाद और उसकी जल मोड़ने की रणनीति, क्षेत्रीय और पर्यावरणीय दोनों मोर्चा पर भारत पर दबाव बनाने के उसके सुनियोजित दृष्टिकोण को उजागर करती है।

🕨 भारत की सीमाएँ अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हैं- संजय कुंडू

हिमाचल प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक, श्री संजय कुंडू ने कहा कि भारत में, विशेष रूप से अपनी सीमा रणनीति में, महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पहले की तुलना में भारत अपने सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रति अपने दृष्टिकोण में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है।

आज, भारत न केवल अपनी सीमाओं की सुरक्षा कर रहा है, बल्कि सड़कों और संपर्क जैसे बुनियादी ढाँचे का विस्तार भी अंतिम गाँव तक कर रहा है, जिसे उन्होंने एक अत्यंत महत्वपूर्ण विकास बताया।

अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार रणनीतिक सुधार किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यदि ये रणनीतिक बदलाव समय पर नहीं होते, तो भारत को चीन और पाकिस्तान से और भी बड़ी चुनौतियों और नुकसान का सामना करना पड़ सकता था।

यह बदलाव एक नए भारत को दर्शाता है - अधिक मजबूत, अधिक तैयार और अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा पर केंद्रित।

जामिया मिलिया इस्लामिया के रिजस्ट्रार रिजस्ट्रार प्रो, डॉ मेहताब आलम रिजवी ने हिमालय-हिंद महासागर राष्ट्र समूह (HHRS) की चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिमालय केवल एक भौगोलिक सीमा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सीमावर्ती क्षेत्रों की सांस्कृतिक सुरक्षा, स्थानीय जीवन की गरिमा और राष्ट्रीय संप्रभुता आपस में गहराई से जुड़ी हुई हैं।

उन्होंने दृढ़ता से कहा कि हिमालयी क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भारत की सर्वोच्च राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। प्रो. रिजवी ने भारत की उत्तरी सीमाओं पर चीन की गतिविधियों, जिनमें बुनियादी ढाँचे का विकास, कृत्रिम गाँवों का निर्माण और स्थानों का नाम बदलना शामिल है, पर चिंता व्यक्त की और इन्हें न केवल क्षेत्रीय सुरक्षा, बल्कि स्थानीय आबादी के मानवाधिकारों के लिए भी सीधा खतरा बताया।

महत्वपूर्ण रूप से, उन्होंने "हिमालय-हिंद महासागर राष्ट्र समूह (HHRS)" की रणनीतिक प्रासंगिकता पर जोर दिया, जो एक ऐसा दृष्टिकोण है जो हिमालयी सीमाओं को हिंद महासागर के साथ एक व्यापक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा ढाँचे के हिस्से के रूप में एकीकृत करता है। उनके अनुसार, यह अवधारणा पूरे एशिया में सुरक्षा, सांस्कृतिक एकता और भू-राजनीतिक संतुलन बनाए रखने में भारत की अग्रणी भूमिका को दर्शाती है। भारत को इस एकीकृत क्षेत्र की सुरक्षा में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए, जो इसकी दीर्घकालिक प्रभुता और स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

12 जुलाई, 2025 को दूसरे सत्र का समापन श्री जसवीर सिंह जी द्वारा दिए गए विचारशील धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिन्होंने सभी वक्ताओं द्वारा दिए गए व्यावहारिक योगदान की सराहना की। अपने संबोधन में, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब समय आ गया है कि भारत पाकिस्तान से रणनीतिक रूप से अलग हो जाए, नारों से आगे बढ़कर नीति-स्तरीय निर्णयों पर ध्यान केंद्रित करे। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) अब भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश मामलों में गहरी और अधिक प्रत्यक्ष रुचि ले रहा है। श्री जसवीर सिंह ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय सीमाओं को एक रणनीतिक प्राथमिकता बना दिया है - यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक मंत्रालय नियमित रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करे। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल सुरक्षा और रणनीतिक चिंताओं के समाधान के लिए आवश्यक है, बिल्क यह सुनिश्चित करने के लिए भी आवश्यक है कि सीमावर्ती समुदाय सिक्रय रूप से शामिल हों और मुख्यधारा की राष्ट्रीय नीति से अलग-थलग न रहें।

तीसरा सत्र

दिनांक 12 जुलाई 2025

समयः शाम 6:30 चजे से रात 8:30 बजे तक अवसरः 10वीं वार्षिक राष्ट्रीय महासभा

सत्र का विषयः आगामी पहलों के लिए रणनीतिक योजना

संचालकः श्री विक्रमादित्य जी

मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तिः श्री माननीय इंद्रेश कुमार जी, डॉ. वर्णिका शर्मा जी, श्री जसबीर सिंह जी

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (आरएसजेएम) की दसवीं वार्षिक राष्ट्रीय आमसभा का तीसरा सत्र 12 जुलाई 2025 की शाम को आयोजित हुआ, जिसमें आगामी वर्ष के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। श्री विक्रमादित्य जी द्वारा संचालित।

इस सत्र में संगठन के राष्ट्रीय प्रभाव और पहुँच को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रमुख रणनीतिक विचार-विमर्श हुए।

मंच पर सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों - श्री मा. इंद्रेश कुमार जी, डॉ. वर्णिका शर्मा जी और श्री जसवीर सिंह जी की उपस्थिति ने गरिमा प्रदान की, जिनकी दूरदर्शिता और अनुभव ने इस चर्चा की दिशा निर्धारित करने में मदद की।

सत्र की शुरुआत चल रही पहलों की गहन समीक्षा के साथ हुई और फिर आगे की योजना बनाने पर चर्चा हुई। देश भर के क्षेत्रीय प्रितिनिधियों ने जमीनी स्तर पर आरएसजेएम की दृश्यता और प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए प्रस्ताव और रणनीतियाँ साझा कीं। युवाओं और स्थानीय समुदायों के साथ अधिक जुड़ाव पर जोर देते हुए, राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान को तेज करने पर एक मजबूत सहमित बनी।

🕨 अागामी महीनों के लिए प्रस्तावित अभियानों में शामिल हैं:

- "अब और पाकिस्तान नहीं "No More Pakistan" विशेष रूप से निरंतर सीमा पार खतरों के आलोक में, पाकिस्तान के साथ भारत के संबंधों में एक निर्णायक नीतिगत बदलाव की आवश्यकता को रेखांकित करने के लिए एक शक्तिशाली अभियान।
- "विशाल भारत संकल्प" सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से एकीकृत भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।
- "नशा मुक्त भारत" मादक द्रव्यों के सेवन के विरुद्ध जन जागरूकता और सामुदायिक कार्रवाई बढ़ाने के उद्देश्य से।
- "साइबर अपराध के प्रति जागरूकता" डिजिटल सुरक्षा और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार के बारे में जनता को शिक्षित करने पर केंद्रित।
- ये अभियान जम्मू और कश्मीर, अमृतसर, पठानकोट, कोलकाता और कानपुर जैसे प्रमुख शहरों और क्षेत्रों के लिए निर्धारित हैं, जो राष्ट्रीय जागरूकता और लामबंदी के लिए एक रणनीतिक रूप से लक्षित दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।
- चल रहे सदस्यता अभियान की एक विस्तृत समीक्षा भी प्रस्तुत की गई। मध्य, पूर्वी, उत्तरी, दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने विशेष रूप से युवा वर्ग से बढ़ती भागीदारी और उत्साह की सूचना दी। प्रभावशाली अभियानों को बढ़ावा देने पर सर्वसम्मति से सहमति बनी, जैसे: हिमालय से हिन्द महासागर,
- "हिमालय से हिन्द महासागर" हिमालयी क्षेत्र के साथ भारत के सभ्यतागत और रणनीतिक संबंधों को सुदृढ़ करना ।
- "अखंड भारत संकल्प" विशाल (अखण्ड)
- "नारी शक्ति जागरण अभियान राष्ट्रीय विमर्श में महिला नेतृत्य और सशक्तिकरण को उजागर करना।

दिन का समापन एक भव्य सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ, जिसमें भारत की समृद्ध विरासत और देशभक्ति की भावना का जश्न मनाया गया जो कार्यवाही के दूसरे दिन का एक जीवंत और चिंतनशील समापन था।

तीसरा दिनः पहला सत्र और उसके बाद समापन सत्र

दिनांकः 13 जुलाई 2025 समयः सुबह 10:00 बजे से सत्र संचालकः श्री विक्रमादित्य सिंह जी

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (आरएसजेएम) की दसवीं वार्षिक राष्ट्रीय आमसभा का अंतिम दिन श्री विक्रमादित्य सिंह जी के संचालन में एक गहन और क्रियाशील सत्र के साथ शुरू हुआ। इस सत्र में पिछले दो दिनों की चर्चाओं और प्रमुख परिणामों को समाहित करने के साथ-साथ दीर्घकालिक रणनीतिक दिशा निर्धारित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

दिन का दूसरा सत्र राष्ट्रीय सदस्यता अभियान की व्यापक समीक्षा पर केंद्रित था। मध्य, पूर्वी, उत्तरी, दक्षिणी और पूर्वीत्तर भारत की इकाइयों ने भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, विशेष रूप से युवाओं में बढ़ते उत्साह को उजागर किया। इस सत्र में आरएसजेएम के राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की गत गति को रेखांकित किया गया।

सत्र की शुरुआत पिछले सभी सत्रों में हुए महत्वपूर्ण विचार-विमर्श के संक्षिप्त पुनर्कथन के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमा स्थिरता, वैचारिक जागरूकता और नागरिक सहभागिता पर विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने जमीनी स्तर और नीतिगत दोनों स्तरों पर आरएसजेएम के बढ़ते प्रभाव पर जोर दिया।

कई प्रतिनिधियों ने अपने समापन भाषण प्रस्तुत किए, जिनमें आरएसजेएम के मिशन को आगे बढ़ाने में युवा सहभागिता, सामुदायिक लामबंदी और तकनीकी एकीकरण की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। क्षेत्रीय प्रतिनिधियों ने निम्नलिखित अभियानों की गित को तेज करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई:

- अब और पाकिस्तान नहीं
- अखंड भारत संकल्प
- हिमालय हिन्द महासागर राष्ट्र समूह (HHRS)
- साइबर सुरक्षा जागरूकता
- महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय चेतना

अंतर-इकाई सहयोग बढ़ाने, स्वयंसेवकों के लिए संरचित प्रशिक्षण मॉड्यूल शुरू करने और उभरती राष्ट्रीय एवं वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के साथ आरएसजेएम की अवधारणा को संरेखित करने पर एक ठोस सहमति बनी।

अपने संचालन में, श्री विक्रमादित्य सिंह जी ने वैचारिक स्पष्टता, अनुशासित-संगठनात्मक संरचना और एक दूरदर्शी रोडमैप के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी इकाईयों को स्थानीय समुदायों के साथ निरंतर जुड़ाव बनाए रखने और सुरक्षा एवं संप्रभुता पर राष्ट्रीय विमर्श में सिक्रय प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

यह सत्र वार्षिक सभा के विषयगत संवादों का एक चिंतनशील समापन और उद्देश्य, एकता एवं राष्ट्रीय समर्पण की एक दूरदर्शी घोषणा दोनों के रूप में कार्य किया।

🗲 गोरखपुर इकाई के आगामी राष्ट्रवादी कार्यक्रम

- गोरखपुर इकाई ने युवाओं में राष्ट्रीय चेतना को बढ़ावा देने और भारत की सुरक्षा, एकता और क्षेत्रीय अखंडता को सुदृढ़
 करने के उद्देश्य से आगामी देशभक्ति पहलों की एक विस्तृत सूची की घोषणा की
- 13 से 17 अगस्त 2025 दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय और एम.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज में "अब और पाकिस्तान नहीं जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।
- 26 जनवरी 2026 (गणतंत्र दिवस) "अनुशासन ही राष्ट्र की आत्मा है" विशेष प्रेरक व्याख्यान आयोजित किया जाएगा।
- 16 फरवरी 2026 (बलिदान दिवस) कुशीनगर से पिथौरागढ़ तक एक "शौर्य यात्रा" (शौर्य मार्च) आयोजित की जाएगी, जो व्यापक "विशाल भारत अभियान" का हिस्सा होगी।
- 23 जनवरी 2026 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर "भारत भूमि को प्रणाम" शीर्षक से एक श्रद्धांजिल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

- 14 अप्रैल 2026 को अंबेडकर जयंती को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाएगा, जो आरएसजेएम की संवैधानिक मूल्यों और समावेशी राष्ट्रवाद के प्रति प्रतिबद्धता की पृष्टि करेगा।
- एक राष्ट्रव्यापी "तिरंगा यात्रा" (ध्वज मार्च) भी आयोजित की जाएगी, जहाँ देशभक्ति की सामूहिक पृष्टि के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय ध्वज को औपचारिक रूप से फहराया जाएगा।

🕨 पश्चिमी क्षेत्र की योजनाएँ: सीमा पर राष्ट्रवाद

पश्चिमी क्षेत्र ने "अब और पाकिस्तान नहीं" अभियान के तहत शक्तिशाली पहलों की घोषणा की:

- 14 अगस्त 2025 को, श्रीगंगानगर सीमा पर अमर भारत अभियान और "विशाल भारत भूमि स्पर्श कार्यक्रम" आयोजित किया जाएगा, जो भारत की शाश्वत शक्ति और संप्रभुता का प्रतीक होगा।
- 5 अगस्त से 15 अगस्त के बीच, पूरे क्षेत्र में स्थानीय कार्यक्रमों और विशेष संवादों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

यह सत्र आने वाले वर्ष में सुरक्षा, अखंडता और सांस्कृतिक गौरव पर राष्ट्रीय आख्यान को आगे बढ़ाने के लिए आरएसजेएम की क्षेत्रीय इकाइयों की अपार ऊर्जा और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

🗲 अरुणाचल प्रदेश चैप्टरः रणनीतिक पहल और सहभागिताएँ

अरुणाचल प्रदेश चैप्टर ने राष्ट्रीय सुरक्षा, युवा सहभागिता और संस्थागत सहयोग पर जोर देते हुए प्रभावशाली और भविष्योन्मुखी कार्यक्रमों का अपना रोडमैप प्रस्तुत्त किया। मुख्य अंश इस प्रकार हैं:

- 14 अगस्त 2025 विशाल भारत कार्यक्रम, "विशाल भारत" अभियान के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिससे सीमावर्ती क्षेत्र के स्थानीय समुदायों में देशभक्ति की भावना और एकता को बल मिलेगा।
- "स्वर्गीय दोरजी खांडू चेयर" की स्थापनाः पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय दोरजी खांडू के सम्मान में, अरुणाचल विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा मामलों के प्रबंधन के लिए एक विशेष चेयर की स्थापना के प्रयास किये जायेंगे। इस चेयर का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों और राष्ट्रीय रक्षा से संबंधित रणनीतिक अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देना है।
- 3 अक्टूबर 2025 साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, सरकारी कॉलेज, सेप्या (पूर्वी कामेंग जिला) में साइबर सुरक्षा पर एक समर्पित कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य छात्रों और स्थानीय युवाओं को, विशेष रूप से संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में, डिजिटल सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना है।
- सदस्यता आधार का विस्तार, राज्य में FANS (राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता मंच) में कई नए सदस्य शामिल हुए हैं, जो युवाओं और नागरिक समाज में बढ़ती जागरूकता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- प्रमुख सीमावर्ती स्थानों का दौरा, चैप्टर के प्रतिनिधिमंडलों द्वारा तवांग युद्ध स्मारक का रणनीतिक दौरा, वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत क्षेत्रीय निरीक्षण में भाग लेना, जिसका उद्देश्य भारत की सीमावर्ती बस्तियों के समग्र विकास का आकलन और योगदान करना है। ये पहल भारत की सीमा सुरक्षा, क्षेत्रीय विकास और राष्ट्रीय एकीकरण के प्रयासों में योगदान देने में अरुणाचल प्रदेश की सक्रिय और रणनीतिक भूमिका को दर्शाती दर्शीयेगी।

🕨 अन्य क्षेत्रीय चैप्टर्स

इन चैप्टरों के अलावा, देश भर में कई अन्य क्षेत्रीय चैप्टर राष्ट्रीय उद्देश्यों से जुड़े आगामी कार्यक्रमों और रणनीतिक पहलों की योजना बनाने में सिक्रय रूप से लगे हुए हैं। ये चैप्टर वर्तमान में अपनी कार्ययोजनाओं को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं और जल्द ही राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता, युवा जुड़ाव, सीमा संपर्क और सांस्कृतिक एकीकरण पर केंद्रित गतिविधियों की एक श्रृंखला की घोषणा करेंगे। उनका भविष्य का दृष्टिकोण राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के व्यापक मिशन में सार्थक योगदान देने की उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

समापन सत्रः "एक संगठित भारत के लिए एक नई दिशा"

दिनांकः 13 जुलाई 2025

मुख्य अतिथिः माननीय श्री इंद्रेश कुमार जी स्थानः राष्ट्रीय महासभा, तीसरा दिन, अंतिम सत्र राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (आरएसजेएम) की तीन दिवसीय 10वीं वार्षिक आम बैठक ''नवीन दिशा, संगठित भारत'' विषय पर केंद्रित एक प्रभावशाली अंतिम सत्र के साथ संपन्न हुई। इस सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री इंद्रेश कुमार जी की उपस्थिति रही, जिनके गहन संबोधन ने चर्चाओं को और भी गहराई और स्पष्टता प्रदान की।

समापन सत्र के दौरान कई विशिष्ट अतिथियों ने सभा को संबोधित किया, जिनमें शामिल हैं:

सरदार जसबीर सिंह जी, डॉ. वर्णिका शर्मा जी, मेजर सुरेश भट्टाचार्य जी, और प्रो. मजहर आसिफ जी (कुलपित. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय)।

उनके प्रेरक शब्दों ने इस अवसर की गरिमा को बढ़ाया और उपस्थित युवाओं के साथ गहराई से जुडकर उनमें देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना की एक नई भावना का संचार किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता मंच (FANS) की 10वीं वार्षिक आम बैठक के समापन सत्र में, संगठन के मार्गदर्शक, माननीय श्री इंद्रेश कुमार जी ने एक प्रभावशाली और विचारोत्तेजक मुख्य भाषण दिया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया किः "भारत को न केवल अपनी भौतिक सीमाओं की, बल्कि अपनी वैचारिक और सांस्कृतिक सीमाओं की भी रक्षा करनी चाहिए।"

पाकिस्तान द्वारा उत्पन्न निरंतर खतरे पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहाः "जब तक पाकिस्तान आतंकवाद के कारखाने के रूप में काम करता रहेगा, भारत की सुरक्षा अधूरी रहेगी। 'अब और पाकिस्तान नहीं' केवल एक नारा नहीं रह गया है - इसे अब हमारी राष्ट्रीय नीति का केंद्र बनना होगा।"

श्री इंद्रेश कुमार जी ने भारत के युवाओं से राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा की रक्षा में निर्णायक भूमिका निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने भविष्य के वैश्विक संघर्षों की प्रकृति को रेखांकित करते हुए कहाः

"आने वाला युग न केवल भू-भाग, बल्कि जल संसाधनों, विचारधाराओं और संस्कृति को लेकर भी

संघर्षों का साक्षी होगा। भारत को इन उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए सतर्क, जागरूक और एकजुट रहना होगा।"

श्री इंद्रेश कुमार जी ने अपने उद्बोधन के दौरान कुछ संगठनात्मक घोषणाओं भी की जो निम्न प्रकार है:-

हमारे वरिष्ठजन जिन्होंने गत 10 वर्षों में अपने अनुभव, प्रतिबद्धता व ज्ञान से इस संगठन की सेवा की उन्हें शामिल कर संरक्षक मण्डल की घोषणा की:

	संरक्षक मण्डल				
S.No	Name	Address			
1	Air Marshal (Dr) R C Bajpai (retd.) (PVSM, AVSM)	373 SFS Apts, Hauz Khas New Delhi-110016			
2	Shri Aarya Bhushan Shukla, IAS (retd.) D-3, M S Flats, B K S Marg Delhi				
3	Chief Justice Permod Kohli (retd.)	ohli (retd.) S-451, GK-II, New Delhi 110048			
4	Lt Gen (Dr.) Rajnandan Singh	4K 801, Gurjinder ViharAwho			
4		Township, Sector, CHI-1 Greater Noida			
5	Shri Swami Parnav Sudhan Gyan Tapaswi	Santhigiri Ashram Thumbla Po Gargaeswari SOT			
		Narasipura, Mysore Karnataka 571110			

इस संरक्षक मण्डल का आवश्यकतानुसार भविष्य में विस्तार भी किया जायेगा।

श्री इंद्रेश कुमार जी ने संगठन के क्रियाकलापों को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु 8 सदस्यों की संचालन समिति की घोषणा की।

संचालन समिति			
S. No.	Name	Designation	Address
1	Shri Jasbir Singh	Executive Chairman	C-24, Bhagat Singh Marg, Tilak Nagar, Jaipur - 302003

2	Shri Raj Kishor Prajapati	National General Secretary	S.C.F 43/3, Sector 18 D Chandigrah, 160018	
3	Dr. Varnika Sharma	National General Secretary First Addhyaksh Baal Kalyaan Ayog, Chhattisgrah	MIG 2/6, Chhattisgarh Housing Board Colony, Ring road no.3, Front of Harsh Petrol pump, Pirda -2 Raipur Chhattisgarh, 492101	
4	Shri Vikkramaditya Singh	National General Secretary Org.	Greater Kailash part 2 M block 131 new delhi 110048	
5	Shri Golok Bihari Rai	Member	Khanna Bhawan, Chandra Lok Chowk, Muzaffarpur-842002	
6	6 Shri Mahtab Alam Member Rizvi		Room no 16, Nelson Mandela Centre for Peace and Conflict Resolution Get no.19 ,Noem Chomsky Building Jamia Millia Islamia University New Delhi-110025	
7	Shri S. K. Raut Ex-DGP	Member	Bhopal	
8	Shri A.P. Rawat Ex-DGP	Member	Guwahati	

श्री इंद्रेश कुमार जी ने 7 स्थानीय इकाईयों में भी कुछ परिवर्तनों की घोषणा की: स्थानीय इकाईयों में दिये गये उत्तरदायित्व

1. मुंबई इकाई

एडवोकेट मिलिंद कपाड़े-महासचिव

2. देहरादून इकाई

पुनीत नंदा-संयोजक

3. जम्मू इकाई

तरूण बहल -संयोजक

4. अमृतसर इकाई

सरदार मनमोहन सिंह रंधावा महासचिव

5. चंडीगढ़ इकाई

डॉ. बी. यादव-मुख्य मार्गदर्शक सेवानिवृत्त मेजर जनरल अध्यक्ष अनिल खोसला श्री परमजीत सिंह-उपाध्यक्ष श्री राहुल शर्मा महासचिव श्री निखिल वर्मा-कोषाध्यक्ष अधिवक्ता उर्वशी दुग्गाल-सचिव

अधिवक्ता शशांक भंडारी जनसम्पर्क अधिकारी (प्रवक्ता)

6. वड़ोदरा इकाई

डॉ. अंशुल उपाध्याय-उपाध्यक्ष

सी सुनील कहार-महासचिव श्री चिराग शाह-महासचिव

7. दुर्ग भिलाई इकाई

प्रोफ. (डॉ.) एन पी दीक्षित-अध्यक्ष असिस्टेंट प्रोफेसर (डॉ) शकील हुसैन महामंत्री 2025-26 हेतु पुर्नगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सूची Annuxure-A में संलग्न है। अपने समापन भाषण में, उन्होंने FANS की 10वीं वार्षिक आम बैठक के सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिनिधियों, आयोजकों और राष्ट्रीय टीम को बधाई दी। उन्होंने सभी को राष्ट्रीय हित के प्रति सतर्क, सिक्रय और प्रतिबद्ध रहने का आग्रह करते हुए अपना आशीर्वाद और शुभकामनाएँ दी। विशेषतौर पर वार्षिकसभा के आयोजनकर्ता दिल्ली इकाई के सभी पदाधिकारियों का मंच पर माननीय श्री इंद्रेश जी द्वारा सम्मान किया गया।

13 जुलाई 2025 को संपन्न होने वाले FANS की 10वीं वार्षिक आम बैठक के अंतिम सत्र के बाद दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया, जो न केवल तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन था. बल्कि राष्ट्रीय सेवा और रणनीतिक कार्रवाई के लिए नए समर्पण की शुरुआत भी थी।

अन्त में राष्ट्रगान के साथ वार्षिक सभा समाप्त हुयी।

Annuxure-A

National Executive Committee				
S.No.	Name	Designation	Place/ Chapter	
1	Shri Jasbir Singh	Working President	Jaipur	
2	Shri Rajpal Singh IPS (retd.)	Vice President	Gurugram	
3	Shrimati vidya vyas	Vice President	Ujjain	
4	Maj. Gen. Anuj Mathur	Vice President	Jaipur	
5	Shri J. P. Shrama ADV	Vice President	Delhi	
6	Lt Gen. Nishikant Singh	Vice President	Imphal	
7	Shri. V Balachandran IPS Retd., Ex DGP	Vice President	Chennai	
8	Smt. Dr. Varnika Sharma	Gen Secretary (First)	Raipur	
9	Shri Vikkaramaditya Singh	Gen Secretary (Org.)	Delhi	
10	Shri Era Mayppan	Gen Secretary	Chennai	
11	Shri Rajkishor Prajapati	Gen Secretary	Chandigarh	
12	Prof. (Dr.) Mahtab Alam Rizvi	Gen Secretary	Delhi	
13	Shri Rajnish Tyagi	Secretary	Agra	
14	Shrimati Diya Rathore	Secretary	Shillong	
15	Shri Vinayak Kale	Secretary	Mumbai	
16	Shri Rajesh Mahajan	Secretary	Delhi	
17	Dr. Gouri Shankar Sahu	Secretary	Dharmshala	
18	Grish Chawala Rtd. IG	Secretary	Rajasthan	
19	Shri Birendra Kumar Chaudhry Adv.	Treasurer	Delhi	
20	Prof. (Dr.) Gurmit Singh Ex VC	Member	Delhi	
21	Maj. Gen. J.K. Grewal	Member	Amritsar	
22	Santosh Kumar Rout (retd.) IPS Ex VC	Member	Bhopal	
23	Prof. Dr. Mazhar Asif	Member	Delhi	

24	Shri Sudhakar Divedi	Member	Delhi
25	Prof. Dr. Amar Kumar Chaudhry	Member	Ranchi
26	Smt. Sanghamitra Rajaguru	Member	Bhubaneswar
27	Shri Anil Soumitra	Member	Jammu
28	Shri Shivaji Sarkar	Member	Delhi
29	Shri Gi.Gi. C George	Member	Faridabad
30	Dr. Ritesh Rai	Member	Pondicherry
31	Shri Mandeep Agrawaal	Member	Patiala
32	Shri A. P. Rawat (retd.) IPS, Ex CIC Assam	Member	Assam,
33	Prof. Radheshyam Sharma Ex.VC.	Member	Haryana
34	Shri Arun Kumar (Adv.)	Member	Delhi
35	Shri Rajesh Kumar Adv.	Member	Ghaziabad
36	Shri Dhirendra Singh	Member	Patna
37	Prof. Pawan Kumr	Member	Delhi
38	Shri Vijay Kumar Sharma	Member	Delhi
39	Dr. S.S. Agarwal	Member	Jaipur
40	Dr. Arun Kumar Borah	Member	Guwahati
41	Smt. Urmi De Baghel	Member	Kolkatta
42	Shri Rajender Singh Panghal	Member	Hisar
43	Dr. Swetma Mishara	Member	Noida
44	Shri Sujit Kumar IRS	Member	
45	Dr. Ajay Mall	Member	Kanpur
46	Shri Virendra Nath Pandey	Member	Itanagar
47	Shri Gopal Krishna ADV	Member	Vijaywada
48	Col. G. M. Khan	Member	Agra
49	Shri Rathin Bhadra	Member	Ranchi
50	Shri B. P. Yadav	Member	Chandigrah
51	Shri Prem Sadotra		
52	Shri Bhupesh Tyagi		
53	Shri Anil Garg		





والع شراول الموال الموادة قاراة بالمهدر بالمنزارين ريخ الصاور مان المول شراقل التي ويت الصوواك

حمال وسينة الوسائلية كراجانت في يعرف بالمثال لأمنية لريجاب وبالطريكان الدرّ في مين مائ هما لك يومي بخت عطام ويا. أبهار سرة فها كربوارت اب ما في المعيني ويك والتسسق ملك ك نوريد الجروبات. "كرشة 10 - 11 مالول بين جارت في كن م مظرنات بدارتي موجوه في ورئ كرائي سيداى التي سيكرات وياجر كم عمالك الإنداء والمامان المستعاد المستعمل المركب ويرقان كم المراه ے۔ ال وقع دینز عماق اوسند ہے کاتی ہے۔ ال اوی کے اور ا ما كالأما الماسعة والمرابط المستحدث في وجدت عمله مما لك بوارت المسلم المستحرك المستح ي البيل في الرائع جارت برميدان ش اليزي عدد في كرد باب باب مددة في الماقت المارات ميني مهدان المسلسكة ويعرف يروني جلدان وفي وهنول سيدكي كان مدسست الوقاد بيري كمل ازمرو والت أرون الارمذاك المدت يون يرسد مجدات كاندست كوور كراسي في مستسبس يك المستسبس عرب في أروق الارمذاق شائد ليندى يوسيه لبلات كالدست كمزور كسلماني مدعون وتدار في كالرجوارت في السل طالت الدي كما الن ووارت ش بيد الجوابي في مالي يهوكام والشب

ئى دىلى 12 بولان (نمائندو الراشزية ويربيوك تقود (RSS) قُوالى ما مذكب كن اورانز -surakstra ما کران کی سے مریرت ڈائٹر تدیش گذر نے کہا سے کے است مانى شركوسة بخفاسية زرزين اورقد ولي ومال لاشروروا يساما ل كرسكا يانهيل في والشيخ الأكراس مهود عبد على الركوني بالاث آني قراس الأث كرمقالية كما س باش suraksha الرائع في ووين بالدوام اللي عن وقاب كرري هي رال الوقع برانهال كالباب مجارت ميش عدونا كالان كالطام وغا آيات اوروغارت كالنكن جو في يونى سه المصدرة كما محل فرورى سه . والتراديث محدث المريد في (تبديل مذ بب) لا غير الله في الدخير أشخى الراد وسينة موسنة بالرجوان شرك الري مر توصيل برسخت ، وك

لا في تروات ب البول التي كريوات في الناه المقام المساول بالأوال الماري وي المريح المريح الماري منبها بناسته في البهار سفاة ويشيا كه مدركها كالااله والديامين تريانها وسفتها كران كافي اين المع والمراجع المراجع المراجع ك بحد جال الك المراجع مراوات الماجع المراجع المراجع المراجع المراجع المراجع

روب سے معن وان مجاوی پر بروات ک کا بیلدی روات می قائم بندوم کروپ روات کی کار کرد کی ایک ب

جتاب ومنتفوا نے کہا "آئ ہم فروق کا علم اور سام اور اور خوالا وائن آپ کی طرح سلوک کرنے کے خیال کی خوے موجود تھے۔



ون کرانی ہے، ای کا بھیرے کہ آن ونیا گھرے مستمنی میدان۔ " ملک و صرف میرونی بلکہ اندرونی سرکرمیں رہمی شدیدشونش خار کی اور بھادت کی ہوجی طاقت کو منیا 🔌 اور اللم زیار مورلی کو الزازات ہے۔ وشنوں ہے کی تی المثما ہوگا، چید شمل ازم 🔻 ان سنتے کے آور کا کل المزورت برزور 🔃 ا لوالے میں لوعموں کرتے ہیں۔ یہ بر بحارتی کے دوشت کروی اور خابی شدت پائندی — یہ ب ویا۔ تین روزہ سالانہ عام اجلال کے 🔣 بعارت كواندر بي كرورك في كوششين إيل-" دوران في كروني توطر كم مدرم بيل

اً و تسليك الدي سازش الزاره بإيش شي ملك كم تجد خدارول في مدوث المرتجي _

کراں جد جدیش اگر کی روان آئی تو ان کا نے کی خرارے ہے۔ انہوں نے کیا کہ ہمات و بیرے کہا کہ ہمات نے خاص لیا کتان کو 📑 الیڈے موا " میں تھے بعارت کے روان 📥 سیکان و واقت میں بعدوت تھی اصل 🔻 سیان اور تھی اصل 🔻 سیکان و واقت میں بعدوت تھی اصل 🔻 سیکان کے دروان جور علوث مال ابري مركز ميون ي طالت مے مدمورندر کمار

ہے فی شرباء ایس کے مہایاتر استون شرباء اروان کمارہ suraksha اگران کی کا دوین مالاندهام سوق ملسکوشیده دایت کی دانبیل کے افوایش عمل کی انتخاب کی افوایش عمل کو انتخاب کی افوایش در انتخاب کی افوایش کی داند کا معرف کی معرف کا کا دوین کا کارون کی کا دوین کا کارون ک اسکل نے خطاب کررے تھے۔ اس موقع برانبوں کے مصد کے اس بیان کا موالہ واحس میں انبول کے مدرت اب مالی کے بالے عافقور ملک کے طور پر سے کہا ہم آزادی کے بعد بھارت کے سابی رہنا اسل طاقت اس کی عاقب رہائید جی ہے۔ انہیں الجود کی مصد کے انہیں کا موالہ کو انتخاب کے مدرک کے انتخاب کی مصد کے انتخاب کے انتخاب کے مدرک کے انتخاب کے مدرک کے انتخاب کی مصد کے انتخاب کی انتخاب کے انتخاب کے انتخاب کی مصد کے انتخاب کے انتخاب کی مصد کے انتخاب کے انتخاب کی مصد کے انتخاب کے انتخاب کی مصد کے انتخاب کے ا الله عوا على هي بي كا ويه سه بعمله في ما يال يملة موديث كرو تعلق كي كري ما تال مع لمل الريحة من الما كان مود و ي بي وريان وع مشراة والزوي كي والمراق المواقع وي بيمور ممالک بھارے کوسکسل چیچ کرتے ہے۔ مہمیوں ترور دیا جس مل کے کو غداروں کی ورشال میں شاق ہے کولک بھاری رہے وکرم آوجہ نظرہ نے وقع وقعہ و

مرياد اپنه جارتي ورڭ رائر عبه وين " الزشته 10-11 مالون على جارت في المائرة جارت جرميدان شي تيزي سترتي الحي انبون في روشيا اور بكد درنگي

نى دىلى ،12 جولافى (ئەن ئىن) رائىزىيە دې درستىكرى كىفرورى ب سیک عجر (RSS) کی قبل عالمہ کے رکن اور مسلم میں تبدید المعلاق میں اورات میں کھواک فوارا میٹی کھوار دیا ہی ہے۔ اس مشیل سے مالی عظرے پرائی موجود کی سیاست میں اس کا موجود کی موجود کی موجود کی موجود کی انداز میں اس کا موجود کی ایران کی جماعت میں غیر قانونی رائش ي suraksha باكران في كرم يرست الود غير أفيني قاكش كاماد

> وَالْوَالْدِينِ كَارِ لِيُهَابِ كِيهِارت ماضي من وَالْوَالْدِينِ كَارِ فِي مَا يَعِدِ فِي (تِهِ فِي ٣ كورة كا اين زر زين اور قدرتي وراك لو خرب) كوفيرا ظائى اورفير أين قرار ويت وو عن ند تصليع كلها شروروایش حاصل کرے گا۔ انہیں نے واقعے کیا کہا کہ جمارت عمل اسکا سرگرمیوں ہوخت دوگ 💎 واکٹر کمار نے حالیہ "آم باللہ مندور" کا حالہ 🕹 پارے فرے۔ "

ات كر مقابله كي جائ كارود راشوي على رب والسائلم افراديداني مين اور كي مدور جواب دياء بكر فين اور تركي مي حاي وبالراقي

ئے کہا: جمارت بھٹ نے وزیا کو اس کا بیقام ویتا آیا نے کہا کہان کا این اے جمارتی ہے۔ واکٹر کمار الجربات۔ ے اور دیارے کا بھی جونا اضافی ہوئی ہے اُسے نے کہا، "یہ افسوسناک ہے کہ جہال ایک فیرطنی انہوں نے مزید کا

खोया हुआ जर और ज़मीन वापस लेंगे- डॉ. इंद्रेश कुमार

स्वतंत्रता के बाद देश के राजनेता हॉलिडे मोड में रहे- विजय क्रांति

හේ දිපෙති, 1 පාර්ය පහස්සන ජහ හි පාද්ධ හරෙනාවී පැපෙ ශ්ර පාද්ධ පුපත කොපො ණ ත් හෝද්රිත නී නිව පැපැත ඒ හත වී ති හාපා ගැනී නිවා දැන් දැන් ගුන්දා ගැනී නිවාද දැන්ද ගතුරික ස්සාහන බීව තත්තේ ක් पुनः प्राप्त करेगा। उन्होंने स्पार किया कि इस प्रक्रिया में बाद कोई बाध आती अन्याय हुआ है, उसे सुधारा भी जाएगा। धर्मातरण को बताया असवैधानिक

डॉ. कुमार ने धर्मातरण को अनैतिक केवानिक बताया और कहा कि मारत में ऐसी मसिविधियों पर प्रभावी लगाया जाना चालिए। उन्होंने न रहने वाले सभी मानरिक %भारतीय% है और यह सोच देश को मजबूत बनावजी।



इंडोनेलिया के साट्पति के एक दुनिया ने बदान का निक करते हुए उन्होंने कहा, ऋगब वह कहते हैं कि उनका डीएनए अभाव के करत है कि उगक उनक उनका मरतीय है, में यह दुक्त है कि भारत में बूछ लोग खुट को विदेती समझते हैं और उसी मानसिकता में काम करते हैं। भारत की सैन्य शक्ति को माना

डॉ. इंट्रेन कुमार न ऑपरेसन सिट्टर १ उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने का उन्होंने पूजार ने आपरेशन सिट्ट का उन्होंने करते हुए कहा कि भारत ने न केवल प्रकित्तान की, बहिक बीन और तुन में नमर्थित देतों को भी करार जवाब दिया है। मारत अब वैरिक्क मद पर तेजी से उनर रही सवित

हैं उन्होंने कर, फिल्टे 10-11 नहीं में भारत से जिस कात्रवृती से अपनी उपिथित दर्ज कराई है, उसी के परिवानस्वयस्थ अन्य दुनिया नर में प्रधानस्वयस्थ अन्य दुनिया नर में प्रधानस्वयस्थ स्टेट मेर्चेट की सम्मानित किया मा रहा में उन्होंने कर कि स्थारित प्रधानसभी की सम्मानित करने की से

ती लग गई है। यह हर मारतीय के लिए गर्व वर्ष गए है। राजनेताओं की 'सीरिक्टे सीव' में देश की की राजन विजय वर्षोंने इस अवसर पर गरिक्ट प्रमानंत्र और लेखक किनय कारि में कहा कि सर्वाज्या के गर्द देश के राजनेता 'हॉलिडे मोड' में थे, इसी कारण भारत को अपने पड़ोसी देशों से समायार को उननी पहेंची देती से लानावाद पूर्वीची मिलाई देशिस उन्होंने करा कि उन्हों देशि हैं रह थेड़ में बजबूत से हम है – पाते हैंग्य शक्ति हो ये विद्याल हम तम्मी की कि उन्हों के देशिय कि देश को उत्तरीय हुन्हानों कैने कारावादाय, आजंक्याद और धार्मिक कहरता से भी लागा सेना उन्होंने कहरता से भी लागा सेना उन्होंने कहरता से भी लागा सेना उन्होंने कहरतार करने की सामित एकड़ी है। अजानाव्यालय प्राप्त में अलग को सीन्ह समातन परंपरा ही भारत की रावित-

मार्थेन्ट कामार कहा कि महत को ह तस्ता समातम परंपरा से सेकर गगरत ले किया गया षड्यंत्र बताय लेटिन्या व बांम्लादेशियों की पुर लादीय सुरक्षा के लिए गंगीर

बताया। राष्ट्रीय सुरक्ष मागरफ मंघ की समा में देसमर से प्रतिनिधियों की मागीवरी में देखार से प्रतिमिधियों भी भागीय दें तीन दिखतें पूर प्राचीका आनस्त्रम को सात के दिखती कैटर के आत्रम सूरेस अञ्चान के राजारीवाली स्वाईटा आराम स्वरूप अस्त्रीत के को भी स्वोधीय किटा । आत्रोंसे मात्र ची वर्षाना मात्रा की प्रतिकृत किटा हमात्र रंगान की सहवारी की सित्ता स्वित्ता रंगान की सहवार इसीके स्वाधित क्षार रंगान की सहवार इसीके किटा इस आराम पर स्वाधी पारिता की स्वीदार से स्वाधी की आप प्रतिकृति अधिवारों और देखार के जेपी शर्मा, एसके महापात्र, मनोज तर्मा, अरुपा कुमार, एडवोडेर कुमार पीधरी, डॉ. भूबेड साहू, राजा, राजेत महाजन, कुमीर मोहरूबद खान, डॉ वर्तिका, मिश्रा, डॉ विवेक, डॉ अभय, छ

खोया हुआ जर और जमीन वापस लेंगे : डॉ. इंद्रेश कुमार

राष्ट्रीय सरक्षा जागरण मंच की दसवीं वार्षिक आमसभा को आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य ने किया संबोधित

नई फिल्मी। देश अपने अतीत में स्त्रीय हुए जर, प्राकृतिका मंत्राधन और जमीने को पुन प्राप्त करेगा। इस प्रक्रिया में यदि कोई बाधा आसी इस प्रक्रिया म पाद काई ब्रांपा स्थाप है, तो उसका पृक्षपपूर्वक सामता किया जाएगा। धारत सरा से विशय को इसींत का संदेश देशा आया है और आपे भी देता खोगा। लेकिन, जो अन्याप हुआ है, इसे सुधारा भी जाएगा। यह बार्ष राष्ट्रीय स्वयंभीकर संग्र (आरएसएस) के राष्ट्रीय बार्वकारी सदस्य और राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के मार्गदर्शक हो. इंद्रेश कारारण जन्म के भोराज्याक का हुइसा कुमार ने कजी। जे राज्यी कार्यका जागरण मेच की दावजी कार्यका अस्परस्था की संबोधित कर रहे थे। जॉ. कुम्बर ने धर्मातरण की डॉ. कुमार ने धर्मोतरण का अमेरिक और अस्मेन्यनिक खलाया और कहा कि देश में ऐसी चौरियिधियों पर प्रभावी अंकुश



संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी सवस्य की. इंटेशा कुम्मार । site : संस्थान

लगाया जाना पालिए। उन्होंने करा हैं और यह सोध देश की मानपूत बनाएगी। कहीं, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के बचान का जिस्र करते हुए कटा कि जब वह करते हैं कि उनका जीएनए धारतीय है, तो यह पुरबंद है कि देश में कुछ लोग सूद को क्षित्रों सम्पात हैं और उसी को विदेशी समझते हैं और उसी मानीसकता में काच करते हैं। तक्द

AMAR UJALA

'नो मोर पाकिस्तान' अब केवल नारा नहीं, राष्ट्रनीति की दिशाः डॉ. इंद्रेश कुमार

🧶 2047 तक देश के युवा भारत को बनाएंगे विकसित राष्ट्र - प्रो मजहर आसिफ 🥏

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच की 10वीं वार्षिक राष्ट्रीय आम सभा का सफल समापन

the finality soof settles onthe our सभा का डीसर और ऑतम दिन -ने येर offerers, this feeting favor is and क्षमा हुआ। रेकम से अस प्रतिपंचित ने पात की राष्ट्रिय सुनका, जीपाई विमास, और रापनीतिक मुनीरायों मा महार चितन बिया। राज्यात राज में जब के पारिस्ता एनं राष्ट्रीय स्थानेशक संग के नरिश् विचाक ही होते क्या ने तह तब्दें में बड़ा कि 'नी मीर पविस्तान' केवल एक नग की स गढ़ है, वह अब राष्ट्र की नीत को दिया कर चुका है। उन्होंने कहा जान देश को सिक्त मीमाजों की नहीं, क्रीफ विचारों को चे रक्ष करनी है। का एक प्रक्रियान आक्रमद को फेब्रो बन सोग, धार की मुख्त अपूरे रोगे। धार को एकता, असंदार और मुख्त के लिए पुषानों को निर्यायक पुविका निधानी का का जल, विचार और संस्कृति के

सात तर् बनार अवस्था है। उन्हेंने पुत्राओं से अञ्चन निष्य कि ये तर्द के भागेको निपर्ध।

भागाती (न्यारा) तस्य विभाग में प्रायानी की पूर्विमाना पर माना आस्तिक का संबंधित तर्व को मानीया कार्य हर थे. माना व्यक्तिक, बतुष्यति, नामिया विशेषा इस्तामिक विभागतालय ने कहा कि 2014 के बाद में भारत को नैक्सिक खीन में महरूक बद्धाना अपना है।

एक्स्प्रोडी और शेरी के के निरुत में पात 2047 तक विकसित राष्ट्र बसने की ओर अरमर है और ट्रिक्ट जब पात को रांभीरता से ले रही है। युवाओं को अब यह सबदल्य होता कि उनके बंधों वर राष्ट्र की मन्त्रिको स पुत्रो है।

नो योग पाकिस्तान अब राष्ट्रासावी अधिकारत अस्य समा के प्रथम सात्र में अस्त्राची

टबताय का पुग होता ऐसे में बाता को कार्यक्रमों की रुपोत्का प्रसूत की गई। साजा, मंद्रीता और सांस्कृतिक रूप से देताना की इकार्य में में में।



पवितान, अटंड पाल संस्त्य, -नार मुख भारत और सहबा अपराध जनस्कृत की विषयों पर उस्तवित अध्ययने को शनकारे दे।

क्रमुख योजनार हुम प्रकार रहें: । व जनना को जनाना, परिचल, जम्-कारोर, कल्युर नहित विशेष क्रमुं के न्त्रे को प्रकारमान पर

प्रसारमञ्जूष कार्यक्रम ■पद्मनबोट, लुपियान, जालधा में तथा ■10 लगन - प्रतिप बार्गकरियों को

■िंट में विभावतः क्रमकत अधियान जैसे अधियान को

संबंधित क्षय देने पर संदर्धता ■गेरतम् से कृतिस्य तक राष्ट्रश्वे को नई लगा ■गंतरसपुर विकास द्वारा राष्ट्रभतिः

कार्यक्रमों की एक विस्तृत शृंदाना की वंपार की खं

प्रतिनिधयों की मानीदाते ■13-17 अस्तर - लो मोर

व्यक्तितः अधिवन । प्राप्तः प्रकारम् विश्वविद्यासम् इस्त्रम् र्शिपातिको नहनिपालक)

■26 जनवी - +अब अनुसासन ही राष्ट् मां जीवन है। विश्वस व्याप्तान

■16 पत्थी - क्संगर से फिरेवरह तक न्दीर्व नाव-

■23 जनवरी 2026 - - चरत धृषि की प्रयाम- (नेटानी सुनाव चंट क्रेस नवरी) ■14 मंद्रील 2026 - स्वीतवन विका (बाबा सहज भीगरल अविवास अपेती) **■**सेंगंपना से जम् तक विकास भारत

पश्चिमें पास की इक्ष्मणें द्वन 14 जनन को जन्म भारत अधिवाद और विकास परत पूर्व स्थतं कार्यक्रम आयेतित किया जाएगा 5-15 असल के बीच विभिन्न संबद कार्यक्रम और स्थानंद अवोजन होते। यह पात वर्तदात में हरू रोकर 19 अगरा को जम्मू वे विसास जरूपतिर प्राप्त के साथ सक्ता तीर्थ :

राष्ट्रीय मुख्य विशेषत्र, शिक्षणिद

सेवांन्यून जीवकां, यून प्रतिनीय और देशनर की 50 से अधिक प्रकास से जार प्रतिनिधयों ने सक्तिय वारोदारी बी।

ग्राचीय प्रदेश जायाण मंत्र की यह आह सथा करता विचार-विमार्त का यथ नहीं तो, बीच का पात को भागी तगरीत, प्रांत्मृतिक एकता और पूच शक्ति के प्रांतित प्रशंत का परिचयक तो। 'मे पेर पश्चिमा अने वितर्भ एक नाग नहीं, एक संपत्ति और निर्माणक राष्ट्रीय अभियान वन चुका हैदसमें पूर्व आव सभा के दूसने दिन का आयोजन दिव्ही के सधापापुर में हुआ, विसमें जल, सीनई जिलार और राष्ट्र मुख्य जैसे रंभीर विवयों पर विचार-कियाँ हुन। इस ज्यासर पर गरीय मुख्य नापरंग यंच के मार्गक्रांक र्ज ब्हेश कमार ने कहा कि जल युद्ध प्रशंभ हो पुस्त है और अने बाते समय में जल इब बढ़ रहिया सबित होता।

Ju

نيىشىنل ئىيىور ئى حبا گرن ئىنچ كى 10 دىي سىالاسنىي**تو م**ى عسام س



پروگرام پنمان کوٹ الدھیانہ، جالندھر میں نشر بخالف مہم'' ہندے ہمالی'' اور'' ناری فکتی بیداری'' جیسے پروگراموں کومنفلم فکل دینے پر اتفاقعام سیما ہیں گئے پروگراموں کومنفلم فکل دینے پر اتفاقعام سیما ہیں گئے كے سينتر عبد يداران ، قوى سلامتى كے ماہرين ، وان ، سابق سرکاری افسران ، نوجوان نمائندگان اور ملک بحرکی 50 سے زائد اکا تیوں ہے آئے ہوئے فمائندوں نے مرکزم حصر لیا۔اس موقع پر متعدد معزز شخصیات موجود تھیں جن میں پروفیسر مبتاب عالم رضوی، گولوک بہاری رائے ، وکر ما دحیہ متلف، ڈائٹرستیا پرکاش، ہے پی شرما، پروفیسر ال سومترا، ایس کے میا پاترا، کرفل فلام تھ خان، واکٹر ورجیکا شرما، واکثر

"2014 کے بعدے بھارت کی عالمی شبید میں زبردست تبدیلی آئی ہے۔وزیراعظم زیندرمودی ک قادت على بمارت 2047 كاكر قى يافت مك يض كى طرف برده رباب، اورآج دنيا جمارت كو جيدگى سے ديكورى ب- نوجوانوں كواب يہ جھنا کی۔ 14 اگست کوامر تمرر پٹیالہ، جمول و مشیر کانپور ابھی، ڈاکٹر ایست، پروفیسر اندرا پریت کور، سمیت کی شیروں میں'' تو مور پاکستان'' پر بیداری ایڈ ووکیٹ ویر بندر چودھری،اوردیکرشال تھے۔

نى دىلى، 14 جولائى يېشل سيكيورنى جاكرن كڅ Forum for Awareness of) (FANS National Security روزه دسوي سالايد توى عام سجاكا اختام منومور ياكستان عيد فيملدكن قوى بيفام كساته موار ملك میرے آئے امائندوں نے بھارت کی قومی سلامتی، مرحدی استخام اور اسٹرسٹی جنگنجز پر سنجیدہ فور و قلر کیا۔افعقامی اجلاس میں منح کے مر پرست اور ماشٹریہ سویم سیوک عظم کے سینٹر مفکر ڈاکٹر اندریش اورسلامتی کے لیے نوجوانوں کوفیصلہ کن کردار گا۔ انہوں نے خروارکیا کمستعقبل کا دور یالات اور نکافت کے تصادم کا دور ہوگا ، اور بحارت كوايك بيدار منظم اورثنافتي طور يرمضوط قوم جمارت واید برطاره مراورت می درید بنا موگا۔ واکر افرایش نے فوجوانوں سے اکل کی کد وہ قوم کی تعیر نوکی مہم میں مرارم شرکت کریں۔جامعہ طیداسلامیہ کے وائس جاسلو پر فیسر

مظیر آصف نے خطاب کرتے ہوئے کیا

Published Simultaneously From Delhi, Bhopal, Ghaziabad, Ranchi & Muzaffarpur URDU DAILY, DELH www.saeban.in 🔽 😈 उर्दू दैनिक, दिल्ली

No. 17, Issue No. 279, Date: 15-07-2025 (Tuesday) Pages: 8, Rs.1/-

26 جؤري 2026: "اب انوشامن ہی راشر کا جیون ے"موضوع

16 فروری 2026: کشی نگر ہے

23 جنوري 2026: "بھارت بھومی کو پرنام'' (نبیا جی سبحاش چندر بوس

14 ايريل 2026: آئين ديوس

شری گنگانگرے جموں تک''وشال

مغربی بھارت کی اکائیوں نے

يه ياترا5اگست كووژودراسے شروع

اعلان کیا کہ 14 اگست کو''ام بھارت

ابھان'' اور'' وشال بھارت بھومی سیرش

ہوکر 19 اگست کو جموں میں عظیم

راشر بھکتی مارچ کے ساتھ اختتام یذیر

يروگرام"منعقد كياجائے گا۔

پھُوراگڑھ تک''شور یہ یاترا''

(باباصاحب ڈاکٹرامبیڈکرجینتی)

رم الحرام 1447 هـ (منحات8) قيت: 1 روييه

"نومور یا کستان" اب صرف نعره بهیں ،قومی یالیسی کی سمت ہے: ڈاکٹراندریش کمار

نیشنل سیکیورٹی جاگرن منچ کی 10 ویں سالانہ قومی عام سبھاکاکامیاب اختتام

نئي دېلى بنيشنلسيكيورني جاگرن منځ Forum for Awareness) of National Security FANS) کی تین روزه دسویں سالانه قومي عام سجا كااختتام" نومور پاكستان" جیے فیلد کن قوی پیغام کے ساتھ ہوا۔ ملک بھر ہے آئے نمائندوں نے بھارت کی قومی سلامتی، سرحدی استحکام اور اسر يجُك چيلنجز پرسنجيده غوروفكركيا-اختامی اجلاس میں منچ کے

س پرست اور راشر به سویم سیوک سنگھ کے سینئر مفکر ڈاکٹر اندریش کمار نے دونوك انداز مين كها:

"نومور پاکتان" اب صرف ایک نعرونہیں رہا، بلکہ یہ بھارت کی قومی پالیسی کی سمت بن چکا ہے۔ ہمیں ضرف مرحدوں کی ہی نہیں، بلکہ نظریات کی بھی حفاظت کرنی ہے۔ جب تک ماکتان دہشت گردی کی فیکٹری بنا رہے گا، بھارت کی سیکیورٹی مکمل نہیں ہوسکتی۔ ملک کی سیجہتی، سالمیت اور سلامتی کے لیے نو جوانوں کوفیصلہ کن کر دارا دا کرنا ہوگا۔'' انہوں نے خبر دار کیا کہ ستقبل کا دور یائی، خیالات اور ثقافت کے تصادم کا دور بوگا، اور بھارت کو ایک بیدار، منظم اور ثقافتی طور پرمضبوط قوم بننا ہوگا۔ ڈاکٹر اندریش نے نوجوانوں سے اپیل کی کہوہ

قوم کی تعمیر نو کی مہم میں سرگرم شرکت

يروفيسرمظبرآ صف كاخطاب

جامعہ ملیہ اسلامیہ کے وائس جانسلر

"2014 کے بعدے بھارت کی

عالمی شبیہ میں زبردست تبدیلی آئی ہے۔

وزیر اعظم نریندر مودی کی قیادت میں

بھارت 2047 تک ایک تر تی یافتہ ملک

ننے کی طرف بڑھ رہا ہے، اور آج دنیا بھارت کوسنجیدگی سے دیکھ رہی ہے۔

نوجوانوں کو اب بیہ مجھنا ہوگا کہ ملک کی

عام سجا کے ابتدائی سیشن میں آئندہ

پروگراموں کی تفصیلات پیش کی نئیں۔

ملک بھر کی مختلف اکائیوں نے ''نومور

ما كستان''،''اكھنڈ بھارت سنكلپ''،''نشه

و مدداری ان کے کندھوں پرہے۔''

''نوموریا کتان'ایک ہمہ گیرقومی مہم

پروفیسرمظهر آصف نے خطاب کرتے

مكتى بھارت' اور''سائبر كرائم بيداري'' جیے موضوعات برمہم چلانے کی منصوبہ توم كى تغير مين نوجوانون كاكردار: بندى پيش كى-

پیھان کوٹ، لدھیانہ، حالندھر میں

بیداری" جیسے پروگراموں کومنظم شکل دينے يرا تفاق

گور کھیور ڈیویژن نے حب الوطنی يرمبني ايك جامع شير يول كااعلان كيا: 10 اُست: صوبائى الكِزيكِيْومينْنَك 1713 أكست: "نومور ياكستان" مہم (دین دیال ایادھیائے یونیورٹی،ایم

اہم منصوبے: 14 اگست کو امرتسر، يلياله، جمول وتشمير، كانپورسميت كئ جمارت ياترا" شېږول مين "نومور پاکستان" پر بيداري

رفاعت:) "بند سے جالیہ" اور "ناری شکتی

۔ گورکھیور سے پھوراگڑھ تک حب ہوگی۔

نمايال شركاءاورتو ميعزم عام سجا میں منچ کے سینز عبد بداران، قومی سلامتی کے ماہرین، تعلیم دان، سابق سرکاری افسران، نوجوان نمائندگان اور ملک بھر کی 50 ے زائد اکائیوں سے آئے ہوئے ايم انجينير نگ کارنج) نمائندوں نے سرگرم حصدلیا۔

नो मोर पाकिस्तान अब केवल नारा नहीं, राष्ट्रनीति की दिशाः डॉ. इंद्रेश कुमार

🔳 मंगलवार, १५ जुलाई २०२५ 🔳 पृष्ट ०८ 🔳 मृत्यः १ रुपये

जर्निलज्म टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली : राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच की तीन दिवसीय 10वीं वार्षिक राष्ट्रीय आम सभा का तीसरा और अंतिम दिन नो मोर पाकिस्तान जैसे निर्णायक विचार के साथ सम्पन्न हुआ। देशभर से आए प्रतिनिधियों ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाई स्थिरता, और रणनीतिक चुनौतियों पर गहन चिंतन किया। समापन सत्र में मंच के मार्गदर्शक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ विचारक डॉ. इंद्रेश कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नो मोर पाकिस्तान केवल एक नारा नहीं रह गया है, यह अब राष्ट्र की नीति की दिशा बन चुका है। उन्होंने कहा, आज देश को सिर्फ सीमाओं की नहीं, बल्कि विचारों की भी रक्षा करनी है। जब तक पाकिस्तान आतंकवाद की फैक्ट्री बना रहेगा, भारत की सुरक्षा अधूरी रहेगी। भारत की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए युवाओं को निर्णायक भूमिका निभानी होगी।

डॉ. इंद्रेश ने आगाह किया कि भविष्य का युग जल, विचार और



संस्कृति के टकराव का युग होगा।
ऐसे में भारत को सजग, संगठित और
सांस्कृतिक रूप से सशक्त राष्ट्र
बनाना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं
से आान किया कि वे राष्ट्र के
पुनर्निर्माण के अभियान में सक्रिय
भागीदारी निभाएं।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका: प्रो. मजहर आसिफ का संबोधन : सभा को संबोधन करते हुए प्रो. मजहर आसिफ, कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय ने कहा कि 2014 के बाद से भारत की वैश्वक छवि में

व्यापक बदलाव आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और दुनिया अब भारत को गंभीरता से ले रही है। युवाओं को अब यह समझना होगा कि उनके कंधों पर राष्ट्र की ज़िम्मेदारी आ चुकी है। आम सभा के प्रथम सत्र में आगामी कार्यक्रमों की रूपरे मा प्रस्तुत की गई। देशभर की इकाइयों ने नो मोर पाकिस्तान, अखंड भारत संकल्प, नशा मुक्त भारत और साइबर अगराध जाएककता जैसे विषयों पर प्रस्तावित अभियानों की

जानकारी दी।

प्रमुख योजनाएं इस प्रकार रहीं:

14 अगस्त को अमृतसर, पिट्याला, जम्मू-कश्मीर, कानपुर सहित विभिन्न शहरों में नो मोर पिकस्तान पर जनजागरूकता कार्यक्रम। पठानकोट, लुधियाना, जालंधर में नशा मुक्ति अभियाना। हिन्द से हिमालय, नारी शक्ति जागरूकता अभियान जैसे अभियानों को संगठित रूप देने पर सहमति।

श्रीगंगानगर से जम्मू तक

विशाल भारत यात्रा

पश्चिमी भारत की इकाइयों द्वारा 14 अगस्त को अमर भारत अभियान और विशाल भारत भूमि स्पर्श कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

5 झ 15 अगस्त के बीच विभिन्न संवाद कार्यक्रम और स्थानीय आयोजन होंगे। यह यात्रा वडोदरा से शुरू होकर 19 अगस्त को जम्मू में विशाल राष्ट्रभक्ति मार्च के साथ समाप्त होंगी।

प्रतिनिधियों की भागीदारी

इस सभा में मंच के वरिष्ठ

पदाधिकारी, राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ, शिक्षाविद, सेवानिवृत्त अधिकारी, युवा प्रतिनिधि और देशभर की 50 से अधिक इकाइयों से आए प्रतिनिधियों ने सिक्रय भागीदारी की। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच की यह आम सभा केवल विचार-विमर्श का मंच नहीं रही, बल्कि यह भारत की भावी रणनीति, सांस्कृतिक एकता और युवा शक्ति के संगठित प्रदर्शन का परिचायक रही। नो मोर पाकिस्तान अब सिर्फ एक नारा नहीं, एक संगठित और निर्णायक राष्ट्रीय अभियान बन चुका है। इससे पूर्व, आम सभा के दूसरे दिन का आयोजन दिल्ली के बख्तावरपुर में हुआ, जिसमें जल, सीमाई स्थिरता और राष्ट्र सुरक्षा जैसे गंभीर विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के मार्गदर्शक डॉ इंद्रेश कुमार ने कहा कि जल युद्ध प्रारंभ हो चुका है और आने वाले समय में जल एक बड़ा हथियार साबित होगा; सिंधु, ब्रह्मपुत्र और गंगा जैसी नदियां हमारी सांस्कृतिक आत्मा और इनकी रक्षा राष्ट्र रक्षा के समकक्ष है।

जल युद्ध प्रारंभ हो चुका है: इंद्रेश कुमार

नई दिल्ली। जल युद्ध प्रारंभ हो चुका है। जल आने वाले समय में एक बड़ा हथियार साबित होगा। सिंधु, ब्रह्मपुत्र और गंगा मां हमारी सांस्कृतिक आत्मा है। इनकी रक्षा राष्ट्र रक्षा से कम नहीं है। इसके लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा। यह बात राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के मार्गदर्शक श्रीइंद्रेश कमार जी ने तीन दिवसीय 10 वीं वार्षिक राष्ट्रीय आम सभा के दूसरे दिन अपने संबोधन में कहा। उन्होंने आगे कहा कि जिस सिंध के नाम पर हमारे देश का नाम हिंदुस्तान कहलाया, पाकिस्तान उसी के जल को हमारे खिलाफ इस्तेमाल कर रहा है। यह राष्ट्र सुरक्षा का मुद्दा है। वहीं ब्रह्मपुत्र भारत के पूर्वोत्तर का प्राणतत्व है लेकिन चीन द्वारा बनाया जा रहा डैम और जल



नियंत्रण इस क्षेत्र के को बाढ़ और सूखे की चपेट में ला सकता है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच की दसवीं तीन दिवसीय वार्षिक राष्ट्रीय आम सभा के आयोजन का दूसरा दिन है। यह राष्ट्रीय आम सभा दिल्ली के बख्तावरपुर स्थित साहेब फार्म एंड रिजॉर्ट में किया जा रहा है। दूसरे दिन चार प्रमुख सत्रों का आयोजन किया गया। दूसरे दिन के पहले सत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के देशभर के विभिन्न इकाइयों ने अपने वार्षिक कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच की देशभर में कुल सात क्षेत्र हैं जिसके अंतर्गत 45 इकाईयां आती है। इन सभी क्षेत्रों के इकाई के प्रतिनिधियों ने अपने वार्षिक कार्य का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

वहीं तीसरे सत्र में दिल्ली डकार्ड

अध्यक्ष मेजर जनरल सौरेश भट्टाचार्य ने 'क्षेत्रीय स्थिरता में भारत की उभरती नेतृत्वकारी भूमिका' पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारत अब एशिया ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व में स्थिरता, शांति और संतुलन का नेतृत्वकर्ता बन रहा है। यह उभरती भूमिका केवल सैन्य या आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक नेतुत्व की पहचान है। उन्होंने अपने गहन विश्लेषण में बताया कि भारत की नीति, नीयत और नेतृत्व ने पिछले कुछ वर्षों में क्षेत्रीय अस्थिरता के दौर में भी एक विश्वसनीय शक्ति के रूप में पहचान बनाई है। उन्होंने आगे कहा कि जहां पाकिस्तान विफलता और कट्टरपंथ का उदाहरण बन गया है, वहीं भारत स्थिर लोकतंत्र, संयमित नेतृत्व और वैश्विक कुटनीति का प्रतीक बन चुका है।

News Link

- https://www.surkhiyan.com/2025/07/india-will-reclaim-its-lost-wealth-and.html
- https://www.chirauri.com/we-will-take-back-the-lost-wealth-and-land-dr-indreshkumar/
- https://rktvnews.com/news/118400
- https://urdu.bharatexpress.com/national/india-will-reclaim-its-lost-wealth-and-land-says-dr-indresh-kumar-gm-186816
- https://saharasamay.in/states/we-will-take-back-the-lost-wealth-and-land-dr-indresh-kumar/
- https://bharatexpress.com/india/india-will-reclaim-lost-resources-land-rss-532327
- https://www.sabseaagenews.com/dr-indresh-kumar-called-religious-conversion-unconstitutional-we-will-take-back-our-lost-land-13418-9643470
- https://theindianawaaz.com/india-will-reclaim-lost-wealth-and-land-says-rss-leaderat-national-security-forum/
- https://www.mpnn.in/rashtriya-suraksha-jagran-manch/
- https://amarsandesh.com/shakti-will-not-speak-words-india-will-bring-lost-earthand-dignity-dr-indresh-kumars-announcement/
- https://rktvnews.com/news/118708
- https://timesoftaj.com/2025/07/14/no-more-pakistan-is-no-longer-just-a-slogan-it-is-the-direction-of-indias-national-policy-dr-indresh-kumar/
- https://timesoftaj.com/2025/07/14/no-more-pakistan-is-no-longer-just-a-slogan-it-is-the-direction-of-national-policy-dr-indresh-kumar/
- https://urdu.bharatexpress.com/politics/no-more-pakistan-is-no-longer-just-a-slogan-it-is-the-direction-of-indias-national-policy-indresh-kumar-adr-187077
- https://bharatexpress.com/india/10th-national-assembly-of-fans-concludes-with-no-more-pakistan-campaign-focus-on-national-security-533538
- https://english.bharatexpress.com/india/fans-convention-ends-with-bold-nationalsecurity-resolution-no-more-pakistan215435-215435
- https://www.sabseaagenews.com/dr-indresh-kumar-said-no-more-pakistan-is-no-longer-just-a-slogan-but-direction-of-national-policy-13447-1537202
- https://www.broadcastmantra.com/news-detail.php?slug=4581